

भारत में तेल आयात पर बजट संकट! मोदी ने दिया शर्मनाक बचत आदेश

भारत में हर घर की रसोई में चलने वाले तेल का बहुमूल्य सच्चाई सामने आई है सालाना 1.61 लाख करोड़का आयात, और फरि भी प्रधानमंत्री मोदी ने जनता से बचत का पर्दा फूँकने को कहा। इस पर वसितार से नजर डालते हैं।

भारत प्रतविर्ष 15 16 मलियिन टन तेल आयात करता है, जसिसे वदिशी मुद्रा पर भारी दबाव पड़ता है। खेती बारी में तेल के बीज की कम लागत, नई सरकारी योजनाNational Mission on Edible Oil Seedsऔर तेज़ तकनीक से उत्पादन बढ़ाने की कोशर्षि चल रही है।

मुख्य चुनौतियों को तीन बढिओं में समझा जा सकता है:

>> आयात नरिभरता बढ़ने सेवनिमिय दरपर दबाव और मौदरकि घाटा।

>> कसिानों को बीजतेलकी खेती में भरोसा नहीं कम जल, असुरक्षति मौसम, कम सब्सडिी।

>> सरकारी बचत अभयिानों (जैसे ईधन घटाना, वदिशी यात्रा टालना) के बीच भीखाद्य तेलपर खर्च घटाना मुश्कलि।

आइए देखें क्यो भारत फसल बेडाoilseedउत्पादन में पीछे है:

>> भूमिआवंटन का अंतराल धान गेहू की तुलना में तेल के बीज को केवल 7% कृषि भूमिमिलिती है।

>> बीज उत्पादन मेंबाजार मूल्य असथरिता कसिान को नरियात मूल्य के भरोसे नहीं।

>> सरकारीइनसबडिी, मुफ्त बजिली, बीमाजैसे प्रोत्साहन मुख्यतः धान गेहू के लिए होते हैं, तेल के बीज को कम प्रोत्साहन मलिता है।

National Mission on Edible Oil Seeds (2024 31)इस चक्र को तोड़ने की दशिा में कदम है:

>> नईहाइब्रडि बीज क्वालटिी फसल उपज 15 20% तक बढ़ाने का अनुमान।

>> भुज्य सचिाई, जल संकट क्षेत्त्र मेंसटीक खेती तकनीकका प्रयोग।

>> कसिानों कोडजिटिल मार्केट प्लेटफॉर्मपर सीधा एक्सपोर्ट बाजार उपलब्ध करवाना।

इन कदमों से अपेक्षति लाभ:

>> आयात पर नरिभरता घटकरवदिशी मुद्रा बचतमें 30% तक कमी।

>> कसिानों की आय में 12 15% उछाल वशिषकर तेल बीज कसिानों के लिए।

>> देशी उत्पादन बढ़ेगा तोभोजन तेल की कीमतेँ स्थरिरहेंगी, आम जनता को बचत का सचेतन दायरा मलिगा।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

YOJANASEWA.COM

<https://yojanasewa.com>

वर्तमान में भारत वार्षिक लगभग 1.61 लाख करोड़ खर्च करके 15 16 मिलियन टन खाद्य तेल आयात करता है। यह मात्रा विश्व के शीर्ष आयातकों में गनी जाती है।

इस मशिन का लक्ष्य 2024 31 तक तेल बीज उत्पादन को 39 मिलियन टन से बढ़ाकर 69.7 मिलियन टन करना और आयात को घटाकर वदेशी मुद्रा बचत को बढ़ावा देना है।

संभव तो है, परन्तु स्थायी समाधान के लिये देशी तेल बीज उत्पादनको बढ़ाना ज़रूरी है तभी आयात निर्भरता घटेगी और कीमतें स्थिर रहेंगी।